Radhe Radhe Bol | By Kumar Shrawan

राधे राधे बोल दु:ख जायेगा
जायेगा सुख आएगा
जिसने रटा ये नाम है
मिला उसको ही आराम है
राधे राधे बोल ....

दो अक्षर का नाम प्रेम का सार
जो गाये बस उसी का बेडा पार
जहाँ पे राधे राधे की गुंजार
वहीँ पे रहता सांवरिया सरकार
चरणों में आ नहीं दूर जा
मन मुक्त कर हर पल ये गा
हर वस्तु यहाँ बेकाम है
बस सच्चा एक ही नाम है
राधे राधे बोल ....

बाँध ले राधे रानी से तू डोर
उसे बना ले चंदा बन तू चकोर
ज्यादा नहीं बस थोड़ा लगा ले ज़ोर
नाच उठेगा तेरे मन का मोर
कैसा है डर कैसी फिकर
होंठो पे है ये नाम गर
इसी में सुख आराम है
और इसी में चारो धाम है
राधे राधे बोल ....

राधे राधे जिसने भी गाया
उसी ने छोड़ी दुनिया की माया
उसी के मन में श्याम है समाया
जिसपे राधे रानी की छाया
होके बेधड़क मन गाये जा
दुनिया के दु:ख बिसराये जा
श्रवण का बनता काम है
देना तुझको आराम है
राधे राधे बोल ....

https://bhaktivandana.com/lyrics/radhe-radhe-bol-by-kumar-shrawan/